

२॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ASMA ARCHIVES

श्री गणेशाय नमः

1572

ASMA ARCHIVES

५६

१५॥ ६॥ माय नय नमः ॥
 अथ यस्क वली वायुल
 न्यादिय तिष्ठा विधिनि
 खन ॥ यथमयी ठियू
 डा ॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥
 वंगव ॥ मलुय ज्ञाय
 ॥ तमा अभिवासन ॥ य
 वादक यजमान नया
 वक ॥ नववृद्ध कावा
 थमालकाका ॥ थलु
 लदय कलमायाया
 वता थमाल ॥ यजमा
 नादिय करुका ॥ कल
 मवासांता थ ॥ १०॥
 अभिवासन विधिः ॥
 मंनिकूद्रानादि नि
 त्यकर्मयाय ॥ यजमा
 नयस्क रुजन यावक
 कुंजडा दि ॥ यजमान
 यजलदान यस्क वली
 वायुल विवाय निष्ठा

वनू लस्काय नयस्क नि
 मित्यर्थ यस्क रुजन म
 मर्थयामि ॥ ११॥ नमाव
 वृणय ॥ नकिष्ठा न
 धनानि र्थ जलजाता
 महावल ॥ निमग ॥ १२॥
 पुक्ताय नमस्क
 वनू लय न ॥ यथाय
 वस्य ॥ सिद्धि वस्तु ॥
 वाक्क लान नैमल्य द्वा
 न विद्युद्वन वलिंद
 यात ॥ यव वलि माल
 निने ॥ ॥ तमा ॥ १३॥
 गवासाधन ॥ सूर्यार्घ्य
 ॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥
 अर्घ्याय पूजा आन
 यूजानं ॥ वलि ॥ १८॥ अथ
 नानेष्टी ॥ यव गवायू
 जनं ॥ यश्चिमादि गवा
 सन ॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥

नमः
 नमः
 नमः

यामी ॥ **मृगयन्ती** ॥ **ॐ** द
 वस्यता ॥ **यष्टिम** ॥ **मम**
 य ॥ **ॐ** **जांलं** सधाजा नाय
 नमः ॥ **ॐ** **गन्धदात्री** ॥ **उ**
रुद्र ॥ **मम** ॥ **ॐ** **कां**
 वामदं वामदं वाय न
 मः ॥ **ॐ** **अग्निर्मूर्धा** ॥ द
 कि ॥ **ली** ॥ **युग** ॥ **ॐ** **कां**
 यावाय नमः ॥ **ॐ** **नञा**
 सि ॥ **युर्व** ॥ **यधि** ॥ **ॐ** **कां**
 नयवृषा य नमः ॥ **ॐ**
 दधिका प्रा ॥ **म** ॥ **का**
 व ॥ **ॐ** **कां** ॥ **म** ॥ **नाय**
 नमः ॥ **ॐ** **ययं** ॥ **यु** ॥ **धिया**
 ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥
 निवमूलमकुन ॥ **ॐ** व
 वृणश्च ॥ **ॐ** नमः ॥ **ग**
 वाय ॥ **यु** ॥ **का** ॥ **म** ॥ **न** ॥ **मून**
 वदथवथवन ॥ **म** ॥ **य**

ॐ वरुणाय विष्णवे सहस्रं ॥ यथा मही न नाना गच्छतां यथा न ॥
 ॐ नञा यत्र धान ॥
 आलादन ॥ **ॐ** सर्वया
 निसमाय ॥ **वि** ॥ **का** ॥
ॐ **रु** ॥ **रु** ॥ **रु** ॥
 वस्व ॥ **म** ॥ **यु** ॥ **जा** ॥ **य** ॥
म ॥ **ॐ** **उ** ॥ **व** ॥ **ला** ॥ **ॐ**
ॐ **जा** ॥ **व** ॥ **म** ॥ **ॐ** **मि** ॥
म ॥ **ॐ** **रु** ॥ **रु** ॥ **व** ॥ **रु** ॥ **रु** ॥
का ॥ **ॐ** **ॐ** ॥ **दं** ॥ **वि** ॥
य ॥ **ज** ॥ **मा** ॥ **न** ॥ **का** ॥ **ॐ** **अ**
न ॥ **य** ॥ **मि** ॥ **न** ॥ **य** ॥ **मि** ॥
ॐ **म** ॥ **न** ॥ **ह** ॥ **नि** ॥ **का** ॥
ॐ **मि** ॥ **म** ॥ **लं** ॥ **का** ॥ **य** ॥ **यु** ॥ **या**
य ॥ **व** ॥ **क** ॥ **का** ॥ **न** ॥ **नि** ॥ **व** ॥ **रु** ॥
न ॥ **ॐ** **रु** ॥ **न** ॥ **या** ॥ **य** ॥ **य** ॥ **सा**
न ॥ **वि** ॥ **न** ॥ **य** ॥ **व** ॥ **क** ॥ **यु** ॥ **पि**
ॐ ॥ ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥ **म** ॥
यु ॥ **न** ॥ **ॐ** **कां** ॥ **स** ॥ **दा** ॥ **नि**
वा ॥ **य** ॥ **न** ॥ **म** ॥ **ॐ** ॥

रावयः (शमयं) लिङ्
निर्वसर्वकृदपि ली ।
वक्त्रा लुवा यिनंदनं
आनयति वनं धनं ॥
स्नानं ॥ उस्त्रमि न वू
॥ यं वा मृगस्नानं वेद
थवथवनं ॥ वन्दना
दिद्युष्यति ॥ पूजानं ॥
उं निवानामासि ॥ धू
यदीयः जायते ॥ उं जा
कास्त्राह ॥ कप ॥ उं न
मः निवायद्यतं गी ॥ ग
मयं लिङ् मूकमं । स
वृद्धवविषुर्द्युर्थं यश्च
गवामहं धनं ॥ अथ
गं धादि विसर्जनं ॥
वाक्त्रा लुदियं वगवा
काय ॥ उं वाव नं धुं ॥
यजमानया नं ॥ उं ध

विगुहा ॥ ॥ गता अर्घवा
यसाधनं ॥ आयनीयक
गमयति सिद्धा धर्मिल
मधुली । कलायवममा
यूक मका अदय मय
न ॥ यथा दय मय मूलन
मासः ॥ अर्घयो लयूजा
यश्च मम कुल ॥ आवा
हना दि ॥ येन मूया ॥
रुमगुदि ॥ उं जां जां
निवृत्तिकला पृथान
त्ववृक्त्रा लुसया जाना
यद्गुरु ॥ ॥ उं जां जां
युतिष्ठो कला आय गत्व
विष्क ववामय वा यद्ग
रु ॥ ॥ उं जां जां विद्या
कला नज गत्व नृदय
वगाय अया वा यद्गुरु
रु ॥ ॥ उं जां जां गानिक
लो वायु गत्व वीधवाय
गत्य वयाय द्गुरु ॥ ॥

ॐ शंकरात्मकानां कलाया
कान्तस्वसुधानिवाय ॐ
गानाय कुरु ॥ ॥ ज्ञान
रुद्रात्मक ॥ ॐ निरुद्र
पुष्टि ॥ गायत्री नमो
॥ श्रीसूक्त ॥ ॥ नमः
निवर्तक ॥ स्ववलासव
नन वरुणसवाय ॥ ॥
यूजा ॥ यथायवस्यमूल
मकुल ॥ दृष्टयादिन ॥
आवाहनादि ॥ ध्यान
नथमकृत्य लाहाथन
सर्वज्ञलयनय ॥ सूर्य
यवरावयान् ॥ ॐ निमि
वदकविधि ॥ ॥ नमः
ज्ञानस्वप्नसाधन ॥ सीध
यदकाकूणकाय यथा
यवस्यमूलमकुलनयूज
न ॥ ॐ मद्रां ॥ स्व
गन ॥ यूनः ॥ अथावा
नरुद्रयान् ॥ ध्यान ॥ स्व

वलाहाथनआवाहन स्ना
नस्वप्न ॥ ॐ निरुद्रात्मक
साधन ॥ ॥ गानाय कुरु
पुष्टि ॥ निमि ॥ गाय
त्रीसूक्तानिवाकनमः
यरुमि ॥ रुमि ॥ यन ॥
ॐ कालं यथिथीनमः ॥
ॐ रुद्रमिहमित्रयादि
नित्रसि विष्णुभायाविष्णु
स्यवदनसाधना ॥ यथि
वीयक यथिवी ॥ ॐ रुद्र
थिवीमामाहि ॥ सी ॥ यथ
साधन ॥ ॐ यथायनमः
॥ ॐ सफरुद्रां नित्रथमक
यकमकाशुधवदुनिस
कनामा ॥ ॐ रुद्रादिबकम
अत्र सर्वयानुमाविष्णु
वनाहितकु ॥ यामाद
साधन ॥ ॐ यथासूक्त
मिवरुद्रास्ययासाकनत्वा
सवितासुसवा ॥ अतस्य

नागादथुहं ॥

ॐ स्वस्ति नमः ॥ ॐ श्री ८
 नमः ॥ ॐ शिव गणेश
 लिवनन ॥ ॐ मय लि
 निव गणेश कवनन ॥
 वरिहान ॥ ॐ श्री नमः
 काय २ ॥ ॐ श्री हय धर्म ॥
 नाय हान ॥ ॐ श्री धर्म
 काय २ ॥ ॐ श्री विष्णु
 ॥ हान ॥ ॐ श्री धर्म ॥
 यश गव नहाय ॥ ॐ यवि
 न ॥ ॐ श्री गव नहाय
 सिंघा ॥ ॐ श्री गव नहाय
 ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥ यश
 मालान हिन ॥ ॐ श्री गव
 यना ॥ ॐ श्री गव नहाय
 म ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥ ॐ
 मय हान ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥
 नमः ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥
 युजा ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥
 अव सन ॥ ॐ श्री गव नहाय ॥
 दि श्री गव नहाय ॥

आसन ॥ वृषासाय २ ॥ सिंघा
सत्ताय २ ॥ उं नत्वाया मि ॥
असुक्त ॥ उं यवस्य स्वा ॥
सुचिकन ॥ उं त्वम ॥ नयु
रि ॥ उं द्वावेक ॥ २ ॥ उं व
क्रयकान ॥ उं विष्णुवे २
॥ उं विष्णुनगा ॥ उं न
जाय २ ॥ उं नमः ॥ नीरवा
य ॥ उं ४ ॥ ४ ॥ न्याय २ ॥ उं
सहस्रसौ ॥ उं आनन्द
नक्ति ॥ नक्तवाय ॥ यावन्ती
सहिताय २ ॥ उं शाश्वत ॥
उं यावकान ॥ उं महामू
र्ख ॥ सत्रस्य ॥ यव ॥ नयु
कमुना ॥ धिया ॥ विष्णुवि
वाजति ॥ उं या ॥ अवि ॥ ३ ॥
रुकाय ॥ सका ॥ वलि ॥
धूय ॥ उं धूय ॥ सि ॥ दीय ॥ उं
गजासि ॥ नवय ॥ उं मून
यन ॥ रुल ॥ उं या ॥ रुल
ना ॥ जाय ॥ सुय ॥ उं नि

वंग ॥ आत्मक ॥ नैव ॥ वाय ॥ स
वमिदं ॥ उं गन ॥ न ॥ नमा ॥ मि
महम्मन ॥ वायिन ॥ विष्णु
वृषि ॥ ॥ अय ॥ न ॥ ॥ ॥
न ॥ ॥ अयमान ॥ न ॥ क ॥ न
सजा ॥ वा ॥ व ॥ स ॥ न ॥ या ॥ व
क ॥ २ ॥ ॥ वा ॥ क ॥ ल ॥ न ॥ अ ॥ य ॥ या
न ॥ द ॥ य ॥ वि ॥ य ॥ द ॥ कि ॥ ॥
उं या ॥ ग ॥ ल ॥ य ॥ दि ॥ वि ॥ ॥ ॥ ग
गृहा ॥ ल ॥ न ॥ चि ॥ न ॥ स ॥ या ॥ ॥ अ
समा ॥ क ॥ रु ॥ क ॥ वि ॥ रु ॥ या ॥ ग ॥
न ॥ वि ॥ स ॥ स ॥ नि ॥ धि ॥ ॥ उं ॥ शा ॥ का
ला ॥ क ॥ या ॥ वा ॥ य ॥ य ॥ रु ॥ स ॥ य
क ॥ ॥ ॥ य ॥ व ॥ ॥ य ॥ य ॥ स ॥ वा
रु ॥ ना ॥ थ ॥ य ॥ स ॥ नि ॥ धि ॥ य
नि ॥ वा ॥ रु ॥ या ॥ ॥ व ॥ ॥ ॥ ॥ उं ॥ न
का ॥ रु ॥ ॥ ॥ उं ॥ रु ॥ सि ॥ ना ॥ मि
मा ॥ ना ॥ ॥ मूल ॥ म ॥ ल ॥ न ॥ अ ॥ रु ॥
स ॥ य ॥ य ॥ ॥ ॥ ॥ नि ॥ व ॥
कि ॥ दि ॥ य ॥ क ॥ न ॥ ॥ ग ॥ न ॥ ॥ ॥ कि
या ॥ स ॥ न ॥ य ॥ ॥ ग ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ क
न ॥ क ॥ ल ॥ ग ॥ य ॥ न ॥ ॥ ॥ ॥

सममर्गं ॥ अथ या मा द
कन ॥ वा ॥ ॐ स व स
मू ॥ ४ स वि न गी ॥ ॥ नि
अ ल द व ता ॥ ४ ॥ आ या सु
ऊं ये मा न स्य द वि न क य
का न का ॥ ४ ॥ ॐ आ या हि
॥ ४ ॥ य न ४ य व व न य ऊ
न ॥ ॥ न्या सा र्य या य य ऊ
न ॥ ॐ न स्ता या मि ॥ आ स
न ॥ ॐ न म स्त मू हि ॥ ४ ॥
सू चिक न ॥ ॐ द व स
ता ॥ अ य क ॥ ॐ आ
जि य क न म ॥ आ वा रु
न ॥ ॐ द व स ॥ १२ ॥ ॐ
द वि य व ॥ ॐ द व
दा य ॥ ॐ स दा नि वा
य ॥ ॐ नि व न क्रा त न ॥ २ ॥
ॐ द व स य क्रा न ॥ ॐ वि पू
न वा ॥ ॐ या न नू द ॥ ॐ
ॐ न म ॥ १२ ॥ ॐ न म ४

नी रु वा य ॥ ॐ स द व न
वा ॥ ॐ आ न न द ग कि न क
वा य या व नी स हि ता य २
॥ ॐ यी य न ॥ ॐ या व का
न ॥ ॐ स दा मू ॥ ४ स व स
नी य व न य नि क रु ना
धिया वि य वि न ज नि ॥
ध म दी य न व य ॥ ॐ स
ना हू ति ॥ ज य सु ति ॥ ॐ
न स्ता व धी ॥ अ य न द्या दि
॥ ॐ न ख म क्रा य ॥ अ य
न ॥ ॐ य क्रा य य नि व
हि मू लि न का न वा व न
॥ ॐ स व क्रा न ख म हि ॥ १२
ॐ न य व म न ॥ ॐ द
या न य ऊ ॥ मू द न मू य
ॐ क नि य या क ल नी
सु ता रु ग लि न क न न
॥ वा ॥ ॐ उ मा यी रु ग न
यि ॥ लि न वू य ध वा य
व ॥ नी क वा य न म मू य

सिद्धि ॥ यजमान नययः
रुज ॥ ॐ अथाद्यादि ॥ सु
याद्यि ॥ ॐ अथाद्यादि ॥ सु
नमस्तुते ॥ गायत्री न्यास
॥ ॐ कान्तदण्डकनसामा
न्याय्याद्ययुजा ॥ नकुल
नसर्ववस्तुषा अस्मान्
यतिनर्कनिष्पद्ययव
॥ ॐ महादेवति ॥ युग्म
कर्मवामहस्तमधुत्वा ॥
ॐ गणनाकति ॥ गणना
तिवलि ॥ ॐ नभातकः
गायति ॥ कुरुवलि ॥ ॐ
जातवदसति ॥ दूतव
लि ॥ ॐ द्युगयनयावति
॥ दिवलि ॥ चन्द्रनादिकि
॥ सयुय ॥ धूयादि ॥ जा
य. कु. ॥ ॐ पूर्वन्दकि
॥ लाद्यादि ॥ विसर्जन ॥
ॐ त्रिअविष्टया ॥ लाजा
विकयन ॥ ॐ गायत्रीम
कुलनिनाकली ॥ ॐ यद्य

वाद्यवति ॥ क. ग. न. स. मा.
ऊर्न ॥ ॐ मानसकति ॥
उपलयन ॥ ॐ त्रिवर्तु
विष्टसति ॥ वहीकनली
॥ ॐ नवायामीति ॥ अ. सु.
कली ॥ गायत्री न्यास
ॐ यद्यिभनदकि ॥ ल. द. कि
॥ ल. न. उ. रु. न. उ. रु. न. ल. म.
॥ अ. म. य. य. य. य. म. न.
खा. द. कि. ल. यि. न. य. व. न.
॥ उ. रु. न. स. म. य. व. न. य.
जायययु मधुमा ॥ अ. य.
कु. उ. म. म. ग. व. स्वयमव
दनासन ॥ व. र. व. व. रु. रु.
य. वि. य. म. य. ग. वि. न्या.
म. द. ध. ॥ ॐ स. द. स. स. य. ति
म. रु. न. ॥ अ. म. य. वि. क. य. न.
ॐ वीरुययु म. खा. दि. वि.
क. य. न. ॥ ॐ य. व. स. य. य. ॥
अ. य. य. य. य. द. क. न. म. य. ॥
ॐ दि. न. य. ग. रु. ॥ वि. य. य.

सन ॥ ॐ यद्वा नन ॥ वज्र
सोयद्ममालिखत ॥ ॐ न
आसि ॥ यद्वा सन ॥ ॐ न
कारुन ॥ विसृज्य गव ॥
अन ॥ ॐ हि वल्यवल्गु ॥
सन्मोयुजन ॥ ॐ युकन
मनसा ॥ वागीश्वरीयुज
न ॥ ॐ त्विदुक्त विन्दुस ॥
काष्ठयह ॥ ॐ ॐ न्भा
नाह्वा ॥ अग्नय नूयजन
॥ ॐ सनव ॥ कृष्णकाः
वयुजन ॥ ॐ अग्निमूर्धा
॥ अग्निमानाय ॥ सूर्याका
नथवाकाष्ठ वाक्कलस्य
गृहपिवा ॥ अग्निप्रदाल्म
वाक्कल ॥ सदा ॥ निभा
नयन ॥ नृसकन ॥ ॐ न
कारुन ॥ ॐ अथावाचद ॥
वलिप्रदान ॥ ॐ नआसि ॥

वीथप्रदान ॥ नन ॥ कवा
दाग्नियनिर्यय ॥ ॐ कः
वायमग्नि ॥ आदग्नि ॥
ॐ कवादाग्नयस्यहा ॥
यनन ॥ ॐ ॐ हवाय ॥
कवादाग्नियनिर्यय ॥
उपस्यल्ल ॥ अग्निन
सुकल ॥ नन ॥ अग्निमूर्
धति अग्निन्यास ॥ वि
लाय ॥ ॐ न ॥ अक्काय रु
ट ॥ ॐ न ॥ अग्निपुष्टाया ॥
ॐ न ॥ तर्कनाया ॥ ॐ
नृमधामाया नमः ॥ ॐ
नृमनामिकाया ॥ ॐ
नृकनिष्टाया ॥ ॐ न ॥
अक्काय रुट ॥ एतद्वद
यादि ॥ रुतजा ० नवेन्द
वद्यातिवकीकन ॥
ॐ कज ० नानयनमः ॥
ॐ कवेन्दवाग्रयनमः ॥

द्यायनमः सादिता क
 यात्रयुजानं ॥ १० ॥ चक्रे
 कात्रय ॥ चक्रे ह्यश्वत्थ
 न ॥ दीप्तमिधमा ॥ ११ ॥
 चधारुधव ॥ अग्निर्ह्यम
 स्वीकवर्ण ॥ वक्रासर्न
 लागासर्न युगावेनमा
 स्मासर्न ॥ निवलाहर्न ॥
 उहिनव्यगर्ह ॥ वक्रास
 र्न ॥ १२ ॥ उहिनव्यगर्ह ॥
 नासर्न ॥ १३ ॥ यत्पुष्ट
 क ॥ यत्पुष्टयत्पुष्ट ॥
 उह्यादिष्टा ॥ आकासा
 दकनयत्पुष्टयत्पुष्ट ॥
 चन्द्रनादिकि ॥ युजयत्पुष्ट ॥
 उह्यादिष्टा ॥ १४ ॥ युज
 यत्पुष्ट ॥ १५ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ १६ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ १७ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ १८ ॥ उह्यादिष्टा ॥

उह्यादिष्टा ॥ १९ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २० ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २१ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २२ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २३ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २४ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २५ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २६ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २७ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २८ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ २९ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३० ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३१ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३२ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३३ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३४ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३५ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३६ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३७ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३८ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ३९ ॥ उह्यादिष्टा ॥
 यत्पुष्ट ॥ ४० ॥ उह्यादिष्टा ॥

न्यास ॥ ॐ नमो भगवते ॥ न्यास
॥ ॐ यवस्य ह्य ॥ अथ यव ॥
ॐ यवस्य नो य ॥ ॐ यव
कल गमय ॥ ध्यान ॥ ॐ
क क म ग उ न द ह्य वि श्व
पू र्ण क धा व क ॥ सर्व ग
कार्थ विरू प स च य ॥ अ
गु नं सु ॥ अथ अलि ॥
ॐ कां गु नं ॥ ॐ वृक्ष
म मू ति ॥ आ वा रु ना ॥ ॐ
न मू र्ण य ॥ मां व लि गृ
ह्वा हा ॥ धू य दी य य ति
हा ॥ ॐ म ना रु ति ॥ आ य
न ॥ ॐ य वा ना ॥ अ व स व
हां ॥ अ धी ग म अ न वा द य
॥ गु न मू र्ति न म मू र्ण स
र्व ग म सु वि ग म न द ॥ अ
मं म दि ॥ ॐ क या न वि
ति क ग म सु व र्ण ॥ ॐ ति
न क ल ग म र्ण ॥ ग न

विद्य क ल ग म र्ण ॥ न्यास
॥ ग म य ग नि नी क र्ण ॥ ॐ
न्यास मि ॥ अथ न ॥ ॐ
वस्य ह्य ॥ अथ यव ॥ ॐ
हा ना द वी ॥ ॐ व न्या वि
गृ ह्वा य ॥ ॐ अ दि त्या
य क म ना स ना य ॥ ध्या
न ॥ ॐ क ल का ला न र्ण
नं व ध म ॥ अ य वि स र्णि
नं ॥ य द य ध र्ण द र्ण दि
गृ ह्वा लो क ग म दि र्ण ॥ अ
सं व न द सो मां गृ ह्वा
य वि वा वि र्ण ॥ अ व धा न्या
गृ ला क र्ण सर्व का मा र्थ
सि दि र्ण ॥ अथ अलि ॥ ॐ
कां कां म ॥ अ दि त्या य ॥
ॐ अ क र्ण ॥ ॐ अ य म क
ॐ अ वि र्ण ॥ आ वा रु ना
दि ॥ ॐ कां मा मा य ॥ ॐ
म न्द वा ॥ ॐ कां गृ ह्वा य

२॥ **ॐ** अग्निर्मूर्धा ॥ **ॐ** वृ ५ ॥
य २॥ **ॐ** इन्द्रो ॥ **ॐ** कावेरु
स्यत २॥ **ॐ** वरुस्यत ॥
ॐ कांशुकाय २॥ **ॐ** अन्ना
त्यनि ॥ **ॐ** कांशुनिधनाय
२॥ **ॐ** गन्नायवा ॥ **ॐ** कां
नाहव २॥ **ॐ** कयानधि
ॐ कां कनव २॥ **ॐ** ककु
कृष्ण ॥ **ॐ** कांजमन २॥
ॐ ता १ ॥ **ॐ** आवाहना
दि ॥ वलि ॥ **ॐ** आदिम्याः
दिनवग्रहस्य वलिगु
ह २ ॥ **ॐ** नका ॥ **ॐ**
वृजविषदा ॥ **ॐ** वृ ५ ॥ **ॐ**
वरुस्यत ॥ **ॐ** धजा ॥
ॐ अस्माकदीन्द्र ॥ **ॐ** धूय
दीय जाय प्रमिषा ॥ **ॐ**
मनाहूति ॥ **ॐ** न ॥ **ॐ** न
कवर्णमहामा नका
यमसूखा निर्ण ॥ सकाव

मथमावृष्टं यदुवाजं न
माम्बहं ॥ अग्न्यादि ॥
ॐ कयानधि ॥ **ॐ** निरु ॥
कनवी ॥ ॥ गन्नामृष्य
अयकलमर्चन ॥ न्या
सादि ॥ गन्नाय निजीक
ली ॥ **ॐ** नवायामि ॥ आ
मन ॥ **ॐ** दवम्यवा ॥ अ
सूकली ॥ **ॐ** दवायवा ॥
ॐ ववाविष्ट ॥ **ॐ** कां
मृष्यअयाय यमासना
य २॥ **ॐ** न ॥ **ॐ** कन्दमूः
कदलीकाली ॥ वलुमलु
लमधुर्ग ॥ ययलावन
मेधर्ग ॥ मृष्यअय विरु
वयन ॥ **ॐ** ययअलि ॥
ॐ कांकोह ॥ स ४ मृष्यअः
यायनम ४ ॥ **ॐ** न ॥ अस्मा
नू ॥ **ॐ** ययमक ॥ **ॐ** न
मन्दवा ॥ **ॐ** आवाहनादि
॥ **ॐ** अग्निमूर्धा २॥ **ॐ** वन

लिङ्ग अङ्गस्य नमः ॥ यद्वं मुक्तिं
यथायत्नं सर्वकामसुखं
युतं ॥ ॐ निध्यात्वा ॥ अथो
लि ॥ ॐ ऐं अ ह रे आ न न्य
म किं गं क वा य या वृ न
स हि ना य न म ॥ ॐ ऐं अ
स रे या दू का ॥ यथ य व
स्य मूल म लु न य या अ
लि ॥ ॐ सह स नी र्वा ॥ ॐ
या न वृ द ॥ निव ॥ ॐ ए
थ न ॥ ॐ आ न व द स ॥
कि ॥ व लि ॥ निव ग कि मु
रु द व लिं गृ ह्ण २ स्वा हा ॥
ॐ त्वं ज वि ष द ॥ व का ॥
ॐ वृ ह स्य न क दि ॥ वृ ण ॥
ॐ अस्मा क मि त्वा ॥ ध्रुवा ॥
धूम दीप नै व य यु निः
ष्टा ॥ ॐ म ना श नि ॥ आ य ॥
मु नि ॥ ॐ वि ष स्य मा ना यि
न जी स य वी ना वा य ण

माय नि मु र्ति यो ग ॥ य वी व
ना म नि व ग कि दू र्वा ध्या
या म ह म ग ल का लि नी
तो ॥ ॐ गूल नी ला ल ल क
शि ना ॥ ॐ उ मा म ह ॥ ॐ म
नि व दि नी तो ॥ अ ह म ह क
अ लि न य ॥ ॐ मि स व र्थ
का मा ह ल द यि नी तो ॥
अ य ग धा दि ॥ ॐ क या न
शि क ति क ण न स व र्णी ॥
ॐ ति नि व ग कि क ल ग ॥
न ना व वृ ण मु र्ति क ल ग ॥
वृ न ॥ न्या स ॥ ॐ इ व ॥ अ
का य रु द ॥ क व ण ध न ॥
ॐ इ वा रु द य दि ना क वा
म न्या स ॥ ३ ॥ अ र्थ या न य
जा ल पू जा ॥ ॐ न ह्या या मि
॥ आ स न ॥ ॐ त्व म य दू कि ॥
गु वि क व र्णी ॥ ॐ द व स्य वा
अ स्य क र्णी ॥ ॐ ग ण ना ह
कि द वा दि स र्व मू ज य न ॥

ॐ आध्यात्मिक यथादि ८
ॐ श्रीम क वा स मा य २ ॥ श्री
न ॥ ॐ ह्रीं व दू णी म क वा नू
रु ॥ श्व न व र्ण सु दी यि तं ।
य प्रा दि या । ग म वा वा व रू
ग म स क वि रू षि तं ॥ क रू
का य त्रि दा य नू डा ग म द
स म नि र्ग व र्ण धि य श्व न
य व म मृ गं गी न मा म्य ह
॥ य या अ लि ॥ ॐ ह्रीं वां वा
वृं वां व वृ ण य या ग रू
सो य य जू या म्य त थ म
क वा वृ टा य व वृ ण ना ग
वा जा य न म ४ ॥ ३ ॥ व द ॥
ॐ ह्रीं म म व वृ ण ॥ ॐ न
मि र स्य ॥ ॐ या वृ ण व
आ वा रु ना दि ॥ वा व ना
व वृ ट य वृ वा दि न य जा ॥
यू र्व कृं कृ म व र्ण ना ग ॥
ॐ ह्रीं कृं कृ न ना य न म ४
ॐ ह्रीं म म ॥ मृ णी ॥ श्व
न व र्ण ॥ ॐ कृं व वा श्व

ॐ न म ४ ॥ ॐ व वा श्व न ॥
द कि ण ॥ यी न व र्ण ॥ ॐ कृं
न न क का य २ ॥ ॐ स नू
ना ॥ नि म य कृ व र्ण ॥
ॐ कृं कृ कृ न का य २ ॥
ॐ य न ग न ॥ य श्वि म
न व र्ण ॥ ॐ कृं य व मा य
२ ॥ ॐ उ दू रु म ॥ वा य व
॥ श्व न व र्ण ॥ ॐ कृं म म
हा य या य २ ॥ ॐ व वृ ण
मो रू ॥ उ रू न रू वि ग व
र्ण ॥ ॐ कृं ग रू ख या वा य
२ ॥ ॐ तां य व र्ण ॥ ॐ ग
न व क व र्ण ॥ ॐ कृं कृ
लि का य २ ॥ ॐ उ वृ ० हि
वा जा ॥ ८ ॥ ॐ कृं मृ मृ
न व र्ण य व व रू ना ग
कि स हि ना य २ ॥ म व ॥
ॐ न मि र स्य ॥ ॐ मृ या
य वा म धू म गी व रू न
नू रू स गी वा ज स श्वि ना

[illegible]

मनकलोहसुवन्धन ॥ ॐ
 नमो वडासि ॥ यडा न ॥ ॐ
 न्दुयवडाहसोयसुवा
 धियनयनवावमासना
 य २ ॥ ॥ नमः ॥ यडा य नि
 दवतामानसं स विन्यव
 कायुलीन वयलोकयाला
 र्जन ॥ ॐ वक्र ॥ २ ॥ ॐ यली
 नाय २ ॥ ॐ न्दुयदि १० ॥
 ॐ यियश्रिय २ ॥ ॐ वकु ४
 यश्रिय २ ॥ ॐ दवाय २ ॥
 ॐ दि १ ॥ ॐ विदि २ ॥
 ॐ स्वर्गय २ ॥ ॐ मलोय २
 ॐ वातालाय २ ॥ ॐ लोय
 २ ॥ ॐ कन्दाय २ ॥ ॐ सुया
 २ ॥ ॐ यन्दाय २ ॥ ॐ ओगा
 य २ ॥ ॐ विष्टाय २ ॥
 ॐ आभविष्टाय २ ॥ ॐ सव
 यदवष्टाय २ ॥ ॐ नना
 मकवर्ण ॥ ॐ नूकम ॥

ASHA AB VES

1.572

1.572

1.572

होः ३१ हो
सथ्य विषम इडा
ककः सिजल
माद सिजल
वृषि न्याया
थन जलज
उ



॥ उं उं दूरुमं ॥ ॐ दं व नू ल य
॥ यं व वा व नू ल नै सं य व य न
न नि धाय ॥ ॥ ग ल य नि
द न्म स्र स्र म नू ल द्यु ना दू ति
द यान् ॥ ॥ द्यु ना दू ति य नू
॥ उं सं ये नं गू न ॥ ॥ नि
ला दू ति य नू य न य न ॥ ॥
यु लू ० न न ॥ य व मू क
न तिल न लू ल द धि दू ल य
उ म य द्यु न ली रु ल न क य
द वा का द न स मि ध द य ज
य माला ग य गी ज य न ॥
य ज मान ह स न ॥ ॐ उं द
० ह वि ॥ ॥ पु नू य ज ॥
ॐ य मा स न न म ह्या दि ॥
गू लं का ला दी न्य यान् ॥
वा र्क ॥ सर्वा लं का व सै य
कं क कं लं मू दिका न्क थ ॥
क लु ल व मू कू टानि गु वा
ना नि य गू कू तां ॥ वी द्रिया
व द यान् ॥ वा र्क ॥ गु वा

यं सां स म (थ) हि स मा (थ)
य र्व सा ध नं ॥ अ मि न्या वः
कि ना वी हि स मा य य
वा न्क तं ॥ आय ४ प्रियं व
क ल्या लं य नू यी नू ध ना
नि व ॥ रु व दू नू य सा थ न
स र्व का र्ये श्च मि दि दं ॥ न
न ४ सं क ल्य ४ ॥ अ मू का दः
ग ४ तिला दू ति श कू यान्
॥ ॥ ज य मा ला गृ ही त्वा
हं सी मृ गी गू क री मू द
य ॥ अ दू ति द यान् ॥ द्युः
ना दू ति क म ल ॥ ॐ ग ल
य न य स्वा हा ॥ ३ ॥ द्यु नं य
॥ १ ॥ ॐ गु नू य २ ॥ ॐ क य
या ला य २ ॥ ॐ दू र्ग य २ ॥
ॐ ह ४ स्वा हा ॥ ॐ रु व ४ २ ॥
ॐ स्व ४ २ ॥ ॐ रु व ४ २ ॥
स्वा हा ॥ ॐ व कू (ल) २ ॥ ॐ

वृक्षा घृतसंयोगः ॥ कुं विष्णु
वृक्ष ॥ घृतसंयोगः ॥ कुं विष्णु
कुं जलदाय ॥ ४ ॥ संयोगः
कुं जलदाय ॥ १० ॥ कुं यथाना
मानयसाहा ॥ वाकाकृति
यथाकमवस्था ॥ ॥ गतः
कलामेयेतिष्ठा कथ्यात ॥ कुं
पूर्वदावादि कलामेयेतिः
यादनिमल्लग्नद्वयात् ॥
कुं पूर्वदावायसाहा ॥ कुं भा
वलयसाहा ॥ कुं वटवृक्षा
य ॥ कुं यथिष्ठा ॥ २ ॥ कुं धजा
य ॥ कुं कृपाय ॥ कुं कृष्ण
य ॥ कुं लोहय ॥ २ ॥ कुं
कुं जलदाय ॥ कुं मयसाय
॥ कुं कुं नैमसाय ॥ कुं कुं
यवलयय ॥ कुं यवलयव
॥ कुं सुकृवनाय ॥ कुं कुं
कुं लामनाय ॥ कुं कुं जलना
य ॥ कुं कुं वृक्षा ॥ १० ॥ वृक्ष

॥ कुं जलानमिन्दुति ॥ घृत
संयोगः ॥ कुं कुं गलपनः
य ॥ कुं गलपनीता ॥ संया
न ॥ कुं कुं जलपन ॥ कुं वेद
यमज ॥ संयोगः ॥ आदिः
याय ॥ कुं कुं कुं स ॥ सूर्याय
२ ॥ कुं कुं सामायादि ॥ कुं
आकृष्ण ॥ मुख्ययय ॥
कुं स ॥ मुख्ययययययय
नसदिनाय ॥ कुं कुं कुं
माययादि ॥ कुं कुं स ॥
वा ॥ संयोगः ॥ ॥ गित
यदि कलामेयेति ॥ कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कनाययावृत्तीसहिनाय
साहा ॥ कुं कुं कुं कुं कुं
कोसाहा ॥ कुं यानवृद्ध ॥
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं
कुं कुं कुं कुं कुं कुं कुं

ॐ हं त्र्यम्बाय ॥ ॐ हं ह्रीं
नामाय ॥ ॐ निवा नामा ॥
ॐ श्रीं विष्णवे ॥ ॐ श्रीं लक्ष्मी ॥
ॐ श्रीं धर्म ॥ ॐ श्रीं मा लक्ष्मी
ॐ श्रीं नाग राजाय ॥ ॐ न
मा सुसर्थाय ॥ ॥ ॐ श्रीं
जगदाय ॥ ॐ श्रीं जगत्पति
॥ ॐ श्रीं गुरुगुरु ॥ ॐ यः
लभयन्ते ॥ सर्वान् ॥ सुख
नामय ॥ ॐ गुरुनका दिना
य ॥ ॐ यः सर्वान् ॥
सुखं धिनाय ॥ मूल म
नुज ॥ श्रीं दिनादिने वय
दय ॥ ॐ नृदि लाक या
लक्ष्मी ॥ ॐ गुरुनामा दि वि
विजि ॥ ॐ मा सा यसा
दा ॥ ॐ सि ग यका य ॥
ॐ गुरु सि ग यका य ॥ ॐ न
कया य ॥ ॐ गुरु कया य ॥
ॐ गुरु गय ॥ ॐ कन लभय

॥ ॐ मन्त्र व ॥ ॐ मन्त्र सभा
य ॥ ॐ न सिन्धु ॥ ॐ नथ
य ॥ ॐ नका य ॥ ॐ नृ ॥
यवा य ॥ ॐ गुरु गय ॥
ॐ कमाना य ॥ ॐ यका सा
य ॥ ॐ नृ ॥ ॐ वक ले
॥ ॐ विष्णवे ॥ ॐ वृदा य
॥ महाया दनिना इदया
॥ दवानु नृ य वय मे नृ न
युष्मद् नि कया ॥ सर्वान्
॥ ॥ दय ॥ सिन्धु यका य
॥ सुख वय न सर्वान् ॥
नमा वलि गये गिनी व
दुकदिक लक्ष्मी नृ यका
लक्ष्मी नामा नृ यका नि
इदया ॥ ॐ गये यका य ॥
ॐ लभय ॥ ॐ को मा य ॥
सुख वय न सर्वान् ॥ नृ
॥ सुया दि गुरु लक्ष्मी यका य
इदया ॥ सर्व कल लक्ष्मी
निदया ॥ ॐ मलु या य ॥

ॐ सा सा दा य २ ॥ ॐ न का ये २ ॥
वा द नि म लु न कृ ता ॥ १०८ ॥
ॐ आ जि बु क ल ग मि ति यू लू
का न य न ॥ य न ४ वा द नि म
लु न कृ ता ॥ १०८ ॥ ॐ स ना ह
नि ति ति य नि षा कृ या नि ॥ ॥
न ना य थ स र खा द नि कृ या नि
॥ ॐ न ना य ना न कृ या नि ॥ ॥
न ना य थ क र्म कृ या नि ॥ य
क न ना वा य न ली वा कृ य
वा अ य स ना न म लु य य व द न
य लि ख न ॥ न ना य व ना या ४
स ना न म लु य व द नि कृ ४ य व ४
स म द स ना न क ल ग कृ य य
न ॥ ॥ न ना ना न क ल ग कृ
य न ॥ न ना ना न क ल ग कृ
य न ॥ ॐ न ना य ना मि ॥ आ
य न ॥ ॐ न व स र खा ॥ अ न क
॥ य व ॥ ॐ न क व र्ण ना ग य
२ ॥ ॐ न का न स म द य २ ॥ व द
॥ ॐ स म द य ४ य न लिल स

म धा य ना ना य नि त मी ष मा
ना ॥ ॐ न ना य व र्ण ना ग य
ना न क ल ग कृ या नि ॥
र य लु ॥ ॥ द नि ॥ ॥
ॐ न क व र्ण ना ग य न म ४
ॐ न का न स म द य २ ॥ ॐ स
म द य व र्ण ना ग य ना ह स
लि ला य व र्ण ना ग य ना ह
अ ना ध य ना य व र्ण ना ग य
खा ह य नि ध य ना य व र्ण ना
ना य ना ह अ व य व र्ण ना
वा ना य ना ह नि मि य य
वा ना य ना ह ॥ ॥ य
नि म ॥ ॐ न ना य व र्ण ना ग
य २ ॥ ॐ न धि स म द य २ ॥
ॐ स म द य दू मि स धू मा न
द ना न य ना ० स मा स म म
न स ना म न ग य न स ना म
यु र्म म य नि डि कृ य ना ना
म म न स ना नि ॥ ॥ ॥

कन ॥ उं घी गत लूना गभय २
उं लू नू सम डाय २ ॥ उं स
मू द न ह द य म स न २ स
हा वि गी ला य धी नू नाय ४
॥ य नू स्या वा य नू य न मू का
की न मा वा क वि ध म य न
खा हा ॥ ॥ मृ लि का यू जा
॥ उं स्या ना यु धि वि ना ॥ डा
य धी यू जा ॥ उं या डा य धी ॥
य व स क क मा ॥ उं य व द
य न ग ना थ सृ षि स ला न
का न क ४ ॥ नि र्मि ता य ले या
य व ल यो य मू र य न सा ॥
नू ना मू षि का ग भ वा वी
ग भ वा यि क व क वि न ॥ क नू
म र्द नि ग स र्व क स्यो गो य न
म गृ व ४ ॥ य न मा न न गूं
ज लि व ध मू क न ॥ क्रि य न
सि लि यो य य ग भ क य ॥ ॥
ग ना नि र्म क ना दि ला का य

वा न कृ त्वा ॥ नि र्म क न ॥ उं
न का ह न ॥ व लि ॥ उं मू ध
वा ॥ वी य ॥ उं नू जा सि ॥ म
न ता उ वा यू जा ॥ म ना हा
न उ वा सृ य न लि वि न
हा य ॥ उं सृ मि ना मि ॥
मू का य उं का गु ला गु ॥
उं वी यो य ले या ॥ नि ला
ह र्द न ॥ उं न ना या मि ॥
न मा य व ल न कृ यान् ॥
ग म वा य व र्द न नि धो य
वा क न ह क न ला य य न
य व न स ह ॥ य न मा न
न ज ल ध म वा यी ॥ न ना मू
लि का ना न ॥ य व ना य ॥
उं य वी ना यी ॥ न ज व न
उं न ज न म म ध ॥ वा वा वा
न ॥ उं मू व रु न ॥ ज ग रू
मू ल ॥ उं व क य न न ॥
व न्मो क ॥ उं मू यो य वा न

[illegible]

न ॥ ॐ बुद्ध गायत्री ॥ ब्रह्मा
 ॐ बुद्ध वधासू ॥ यथा दक
 ॐ ह विष्मती विमोक्षाया ह
 विष्मा ॥ ॐ विवा सनि । ह
 विष्मा ॥ ॐ यवा शुधना ह वि
 ष्मा ॥ ॐ सुसुख्य ॥ ॐ ह
 ॐ या ॥ ॐ लनी ॥ ननु
 ॐ यथायुक्ता ॥ नीलमयक
 ॐ गंधदा नान ॥ अमायक
 ॐ दमाय ॥ पुवह ताव
 यं व मनं यय न । ये वा हि
 बुद्धा ह नृ न यच्च ॥ ॐ अ
 वृत्तान ॥ नीलमयक ॥ ॐ य
 नीलमय ॥ नीलमयक ॥ ॐ
 नयनय विन ॥ ॐ अ
 ॐ यय ॥ यथा ॥ यथा
 ॐ यथा ॥ यथा ॥ ॐ
 ॐ नञासि ॥ मधुसूतान ॥ ॐ
 ॐ मधुसूतान ॥ नीलमय
 ॐ नमः ॥ नीलमय ॥ ॐ

[illegible]

शिवोदय नया त्रिकुशान ॥
 वाक्कलयने गन्वा सुसिवा
 वनय ० न ॥ ॥ नैमल्यः
 दानगमलेय्यवगथन ॥
 वर्जना कलस्य दक्षिणग ० ॥
 धलिलस्य डहनग ० स्मय ॥
 रुडपी ० स्मय ॥ ॐ नाना
 डा ॥ ॐ नम ० गीरुवाय ॥ वि
 षू ॥ ॐ विष्णुवनाट ॥ ॐ वम्या
 यस्य स्मयने ॥ गृह्यायक
 नलमदि ॥ ॐ काण्ठकाण्ठ ॥
 दवर्गानिडा कलनीवमु
 लकाययन ॥ ॐ वायव्य
 दयिवा ॥ यथ ० सुगुणव
 स्त्र ० मधयन ॥ ॐ कां निडा
 ये ॥ ॐ समखादव्या ॥ ॐ
 निडा कलनी संधान ॥ ॥
 गिरस्वनलाम विष्णुमन
 मधयनकगदयन याद
 नलिजवर्ग निजगयादार्क ३
 व्यासं यवनाक्रमन ॥ याद ॥

ॐ ह्रस्वः स्वाहा ॥ ॐ क्रां ग्रात्मन
स्वाय वक्र ॥ १२ ॥ ॐ वक्र य
क्रान् ॥ ददय ॥ ॐ हुवः स्वा
हा ॥ ॐ क्रा विद्या न स्वाय वि
ष्टुवः २ ॥ ॐ विश्वानना ॥ नि
वसि ॥ ॐ ह्रस्वः स्वाहा ॥ ॐ क्रा
निव न स्वाय सदा निवाः
यश ॥ ॐ निवानामासि ॥
पूनः निव न यादान् का
टिस्यंद ॥ ॥ नादी संधान
॥ यवेत्तु कान मूय दव
हृति वेत्यं न याव वा क्र
णस्यं कस्य सिंहासनधा
न ॥ जित्वेनाद्रुति ॥ ॐ
क्रां ग्रात्मन स्वाधिय त्वक्
॥ स्वाहा ॥ स्वाय ॥ ॐ वक्र य
॥ ॐ क्रा विद्या न स्वाय विष्टु
वः २ ॥ ॐ विश्वानना ॥ ॐ क्रा
निव न स्वाय सदा निवाय
स्वाया ॥ ॐ निवानामासि ॥
स्वाय ॥ १ ॥ यादन पूनक ॥

[illegible]

[illegible]

बोधहि। युगस्य कल्याणाय
 अगस्त्येयथा मुनोवाहा ॥
 नामान्नयने ॥
 धनासुजावयायमाहा ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यथाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 हा यानाय यानाय वरु
 षे। यथाय वाय मनस
 स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 काथालडलं ॥ सिद्धलू
 गरुलादिदानं ॥ निष्ठाक
 लसया लंखनहाय ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 वनव्यादूग ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स्ययेष्टीमासर्वस्यादव कि
 त्विष्टान ॥ निष्ठाकलूयि
 याय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 काय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 कुमनाय स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 यज्ञानं ॥ निष्ठाकलूयि ॥ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमः यथाहा ॥ **कुं** कायासा
हा. कर्म. कर्ममर्म. धिमा
धामाय. मनः ४ प्रजापतयु
विष्णु. विष्णुताया दिशि. दि
समस्त. दिशि. समुत्तीका
श. सनस्य. सनस्य. सनस्य
यावका. सनस्य. सनस्य
हृ. यष्ट. यष्ट. यष्ट. यष्ट
श. यष्ट. नन. धिया. स
श. सनस्य. सनस्य. सनस्य
यष्ट. यष्ट. यष्ट. यष्ट. यष्ट
वनिष्णुताय. विष्णु. निः
धिविष्णुताय. सहा. ॥ नामक
न. ॥ वनस. अष्ट. न. य
स. अन. ना. दि. अष्ट. क. ल
ना. ग. या. नाम. वा. या. व. य. ट
स. न. य. ध. न. लि. ह. स. न. का
य. क. यु. लि. व. ला. ड. यु. लि. ना
म. क. ल. या. य. य. य. य. न. सा. ॥
य. व. या. य. थ. य. व. स. नामी. ॥

कुं निजस. हृ. ल. वा. स. ना. य
सा. हा. ॥ **हृ. ल. वा. स. ना. य** ॥ ॥
कुं हृ. द. या. य. अ. न. या. स. ना
य. सा. हा. ॥ **कुं** अ. न. या. स. ना. ॥
अ. न. या. स. ना. य ॥ व. न. या. स. ना. य
कुं निजस. वृ. ठा. क. न. ल. म
य. ॥ **कुं** मृ. द. नि. दि. वा. अ.
न. नि. य. धि. वा. वे. ध. न. न. ॥
आ. जा. न. नि. ॥ क. वि. ०. म. सा.
अ. म. ति. धि. अ. ना. ना. मा. र्श. ॥
ना. या. र्श. अ. न. य. न. द. वा. सा.
हा. ॥ **वृ. ठा. क. न. ल. म** ॥ ल. र्वा.
न. ठा. हा. था. ल. ॥ **कुं** गा. ना. न.
मि. र्द. ॥ **वृ. ठा. क. न. ल. म** ॥ ॥
कुं निखा. ये. क. र्ण. रु. क. ना.
य. ॥ **कुं** रु. द. क. (लू. रि. ४. गृ.
न. या. म. द. वा. रु. द. य. (गृ. मा.
क. रि. य. अ. ना. ॥ **कुं** न. व. (मि.
सु. रु. वा. ५. स. स. न. रि. व. म.
म. दि. य. व. हि. र्ग. य. दा. य. ॥

सुवर्णमङ्गल सुवीर्यदानं ॥
ॐ कवचाय वनवधना
यस्त्राहा ॥ ॐ वनकनूतगा
यथायवस्यमयरीयेदा
नं यस्त्रायवीर्यं ॥ ॥
ॐ नमस्तथाय समाव
र्तमानाय ॥ ॐ श्रीकृष्ण
समावर्तनं ॥ ॥ ॐ कृति
स्वायेदीक्षायदानाय ॥
ॐ वननदीकामा ॥ यव
मन्त्रायदानं ॥ ॐ कृति
दयाय विवाहायस्त्राहा ॥
ॐ ग्रयम्वकं ॥ विवाहा ॥
यवस्यागकिप्रदानं अथ
वावाककल्यादि यथा
नामप्रदाय यथानाम्नां
यवीर्यसमर्थसंयय ॥ ॐ
कायाकामाया ॥ कृतिना
यादुर्न ॐ नानायमिन्द्र ॥
सगवृन्दकायप्रदमाला ॥ ॐ

श्रावण ॥ प्रसादयितुनि ॥
ॐ युजायनने ॥ अनिनि ॥
ॐ निवानामासि ॥ मूर्ध्नि ॥ ॐ
नववायू ॥ नाजादुर्नि ॥ ॐ
अर्थमनवदस्यमिन्द्रयाः
नायथायय ॥ वाचस्त्रिषू
सवस्त्रगी ॥ सवितावधु
वाजिन ॥ स्त्राहा ॥ ॥ ॐ
नमस्तथाय उमनयायाय
स्त्राहा ॥ ॐ काण्ठका ॥ उम
नयाजा ॥ गृहायकनर्त्त
दि ॥ ॐ कृष्णाय ॥ ॐ स्व
स्त्रिन ॥ ॐ कृतिवदग
क्रिया ॥ ॥ नमाजीवन्मा
म ॥ नमादवाकिर्कगत्वा
अर्थयत्तसमनिमन ॥ यू
यगितव्यकनलीगकिमु
क्तिन यथाविधाननरुन
गुह्यादिखाणयतिष्ठानैः
कावयन् ॥ यत्तवीर्यसा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
धनं धनं धनं धनं धनं धनं
नं जीवन्त्या ग विद्य ॥ २ ॥
राग जीव न क राग यवः
नेव राग स्व जीव ॥ ३ ॥
समस्तं न गं वा सुहृत्
वा आहूति युष्मत् ॥ ४ ॥
ना कुनस्य ॥ ५ ॥ नमो जीवन्त्या
नं य वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ ७ ॥ ॐ वाचमस्तु नमः
॥ ८ ॥ यं यस्तु नमः यनं ॥ ९ ॥
मनस्तु नमः यनं ॥ १० ॥
युक्तं यनं ॥ ११ ॥ आहूति ॥ १२ ॥
आयुर्धनं कल्याणं
साहा ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
भायस्तु नमः यनं ॥ १४ ॥
दानायस्तु नमः यनं ॥ १५ ॥
नमः ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
स्तु नमः यनं ॥ १७ ॥
यस्तु नमः यनं ॥ १८ ॥

धनं धनं धनं धनं धनं धनं
युक्तं यनं ॥ १९ ॥
न कल्याणं साहा ॥ २० ॥
युक्तं ॥ २१ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २२ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ २९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
साहा ॥ ३० ॥

ॐ जन ४ यं किं कृन् ४ ॐ नृ
वव गाय सा हा ॥ ॐ ॐ नृ
आ सान ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ न य ४
जिष्ट पुं नृ व रु स नि ष व
ता ये २ ॥ ॐ व रु स न ॥ ल
ला ॥ ॐ स ल य ४ ग म किं नृ
वि ॥ ॐ नृ व व गाय २ ॥
ॐ वि ॥ ॐ नृ व व न नृ म र्क
वृ वी ग म कृ म ॥ वि ॥ ॐ नृ
य ४ वृ व नि ष यं म वृ वी ग
यृ य स सा हा ॥ मृ दि ॥ स या
न ॥ ॥ द व स्या ॥ य य ४ व
लि प्र दान ॥ ॐ ग ल म ना हा
ॐ न मा व दृ ग म य ॥ ॐ या ग
व द स ॥ ॐ य र्क वृ न या वा
ॐ अ मृ अ मृ मि क ॥ ॐ नि य
व व लि ४ ॥ ॥ अ य ४ ४ ॥
म कृ मि ४ ॥ ॐ नृ व द या य २
ॐ य जा य ना ॥ ॐ नृ नि व
स २ ॥ ॐ स ह य ना र्क ॥ ॐ

ॐ नि वा ये २ ॥ ॐ अ मृ ४ स
रु न ॥ ॐ नृ क व वा य २ ॥
ॐ अ मृ ४ नि ग म ना ॥ ॐ नृ
म मृ य या य २ ॥ ॐ वि ज्ञा ॥
दृ रु न ॥ ॐ नृ अ मृ य २ ॥
ॐ न म कृ वृ ४ ॥ ॐ नि य
उ मृ कृ मि ४ ॥ ॥ यृ य नि
व ॥ यृ कृ न ना ग किं द व
यृ ज न ॥ न्या सा य मृ य यृ
जा ह्म न व ॥ ॐ नृ व या नि
आ स न ॥ ॐ द व स्या ना ॥ ॐ
सृ क र्क ॥ आ धा व ग क य
न्या दि ॥ ॐ वृ य स ना य २ ॥
ॐ सिं हा स ना य २ ॥ ध्या न ॥
य या मृ लि ॥ व द ॥ ॐ यृ य
वृ कृ ड न य यृ य वा हा य
खान य ॥ अ मृ यृ य य न क
नि ॥ य वा व न य व न ४ स र्क
मृ य ना ग खाम हि गृ हि नृ
१ ॐ नृ वृ ॥ यृ कृ न नी या व

ॐ ॥ **ॐ** आधा अस्मान्मातर ॥
नमावतूलायुजा ॥ **ॐ** गण
यमथ २ ॥ **ॐ** सुतूथानमः
ॐ इवैयांथानिनिस्था २ ॥
ॐ इवैयांथालाय २ ॥ **ॐ**
ॐ आधात्रगकादि ८ ॥
ॐ वंभमादि ८ ॥ **ॐ** वंभ
मलुलाय २ ॥ **ॐ** वंभम
मुलाधिवतयजेमुता
हाय २ ॥ **ॐ** वंभकलास
नाय २ ॥ **ॐ** भान ॥ नागया
नधनदृष्टं नलाथादुम
विप्रदं । समार्कं दवर्न
धाय । दवर्णमिकवास
नं ॥ **ॐ** वंभवतूलाय ८ ॥
गक २ ॥ **ॐ** ननादि
पूजा ८ ॥ **ॐ** न्नादि १० ॥ **ॐ** वं
मनिनागहालाय २ ॥ **ॐ** वं
ॐ ॥ **ॐ** वंभं सु४ वां वं
वंभवतूलाययोगादकथ

मकलानुदाय २ ॥ **ॐ** वंभं
वतूलायनागनाजाय २ ॥
ॐ वंभं वतूलायनाक
थ २ ॥ **ॐ** दयादि ॥ **ॐ** वंभ
हनादि ॥ **ॐ** वंभं
वतूलाय २ ॥ **ॐ** वंभं
वाय । साभायसगलायः
विवात्रायवलिगृह २ ॥
हा ॥ **ॐ** वंभं ॥ **ॐ** वंभं
वतूलाय २ ॥ ॥ **ॐ** वंभं
निवात्राय । दवर्णमिक
दवर्णमिक । मंगलपूजाया
य ॥ **ॐ** वंभं मकनासनाय २
वद ॥ **ॐ** वंभं सुगंध
ममागहाकात्रकादावा
यामकवनस्यनीनाकिकवा
क ४ ॥ **ॐ** वंभं ४ ॥ **ॐ** वंभं
नाकासन ४ ॥ **ॐ** वंभं
वायस्य दिशेगलक ४ ॥

वनूणयूजाड (थं) याय ॥ आ
वाहनादि ॥ धूप दीप नैवे
श जाय कुरु ॥ धनवर्धन ॥
उं नमो वनूणय ॥ अ नमो
नागवाजग म हाय द्वाव
टक्क ॥ कूलिकंग खयाला
य वाणुकीय द्वा नागय ॥ क
काटिकाज यं दव मनिव
लानिधि प्रिया ॥ नागलुयाय
नमः ॥ अ नमो धादि ॥ ॥
ॐ निपु निष्ठा रुतमा मारु
से वनूणय डव नयं नय
यन ॥ ॥ धनायूक वली
नी (थं) दकन कृष्ण नहाय ॥
ॐ आया दिष्टा ॥ ३ ॥ ॥ क
नागवाजग ॥ सालं काल
न नियकाव यजमान नसा
या द्विधा न जा दव य शिम
न ॥ ॐ नमो नगी सानयू वलि
धिवं क ॥ ॐ ॐ दसनी वय

विश्वं कुरु य एव ॥ यूनानु
न ॥ सनु निर्यम म ॥ गावय
नी सवेनी धादि धिकं लाक
न व नदीयं नव ॥ ॐ ॐ ना
वती धनूमनी ॥ ॐ स मू
जाइ मि ॥ धनासाया द्विधा
न धूदाव यजमान नथ म
हाय ॥ ॐ आया दिष्टा ॥ ३
साथना दान विध ॥ ॥
ननायूक वलीया द्वा दस
दग दिगंग ख डिना लाय
नी खयल सि अं ए व ये मा
नन कालादि ॥ द्वा व कं दि
गय नि नाय य एव मा भ
न पूवादिन रुवन ॥ ॐ ॐ
जाइ ॥ यूनान ॥ ॐ विगनु
रुतल नाग लाकया लाय
कामया ॥ यूक विन्यानु नि
धनु आयुर्वल कना ॥ सदा
॥ किल यनि द नु व लि विधा
॥ ॐ ॐ ॐ यय सर्वथा यवा

नमस्तस्मात्सुता वलिं नमस्त
प्रयच्छामि सर्वं गृहं सुमं
प्रित ॥ कालकयुगन ॥ ॐ
श्रीं यथुं कुरु कुरु सु सु सु ॥
यजमान नयं यथुं यथुं यथुं
॥ वद ॥ ॐ यथा नमिदं ह्यं
दि १० ॥ ॐ निकीलिका सायन
ॐ निमं माल कि लि ता य १०
गलयं द न मा यथं न मा ॥
ॐ नमस्तस्मात्सुता वलिं नमस्त
यायनम ॥ ॐ व व व व व व
स न नि व स मा हा ॥ ॐ
ॐ व व व व व व व व व व
व व व ॥ ॐ सधामहा ॐ
वात्मने कववायद ॥ ॐ
धियायान ॥ सदा निवात्म
न न न न न न न न न न ॥ ॐ
यथा दया न सु सु सु सु सु सु ॥
न न ॥ यथा निमान ॥ ॐ यथा
न न ॥ ॥ न न ॥ यथा विद्या

गार्थ्या ॥ ॐ कुरु कुरु ग
यागं ग यथा सु सु सु सु सु सु
व ॥ यथा नि स व ती धि नि न
ज ग नि व स सु सु सु ॥ विनसा
की लिका सिंधु ॥ स न यु व सु
व सु ती ॥ यथा नि व स ती धि
नि न ज ग नि व स सु सु सु ॥
द ग म सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
था व सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
यथा नि यं व ती धि नि न ज ग नि
व स नि न ॥ य म नान मदा
व वा व सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
॥ यथा नि यं व ती धि नि न ज ग नि
व स सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
॥ वा ग म ती
॥ ग म म ती ॥ ग म म ती ॥ ग म म ती
सा ग व सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
व ती धि नि न ज ग नि व
स सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
॥ ॐ नितीर्थ न्या ॥
धन नि जी वे न्या वि य ॥
ॐ नि ये नि दा सु सु सु सु सु सु सु सु सु सु
द गी क र्म ॥ धन उ धि ॥

गता विष्णु कर्मा युक्त न ॥ हस्मा
र्य वन्दनादि ॥ आदिति ॥
विष्णु कर्मा विमना आदि हा
या भागा विधाना यत्र मा न
सन्दुक । न या मिष्टानि सानि
षामर्द नि यत्रा सय फ मयीः
न्यत्र कर्मा ४ ॥ आरुज
वाय ॥ कण ॥ विष्णु कर्म
नमस्तु ली जे ला कस्तु छिः
कात्र की । नक्षत्र मुद्र लक्ष्मा
ह्या विष्णु कर्म नमस्तु न ॥
व्याया लियाला हा नयूडा ॥
आरु लल वहाय ॥ थना
गुरु लग्न स वलानु क म
नक्षि वहा न ॥ मूल मनुष्य
द्वि १०८ ॥ अवा न ॥ अं वि
नारु ववी दु न ॥ अवा ३
दाव व न ॥ वाक्र ७ ॥ देव रु
आद्या र्थ कर्म यजमान
क्षि र्थ ग ॥ वाक्र ॥ अं म

वाला रु कल्या मासन कर्ष ॥
अं वि नारु वज लग्न न आस
न्यु कर्ष मदिनी गवत दोः
विष्णु दाथ रुवतु नी न लाद
का ॥ वि नारु वजु द वल द
वाना मधि धा रु म । याव वः
न्यु कर्ष मदिनी रुवतु म ववा
रुवत ॥ याव व न्यु ध सूर्य थ
सूर्य थ मदिनी सय सागना
४ याव दा का ग न ग म व गाव
ल व वि नारु व न ॥ अं वि
मा मिथ व न व न ॥ अया म
न ग व ४ ॥ द व्या म न ग व नी ग
का सार्ध मस्या वि नारु व
म न्य द व थ निष्ठा र्थ कर्म य
न्य म स र्ध क । न ल्य र्थ का टि
रु ल द मायू ना वा ग्य व र्ध न
॥ युग पी ना दि स य क्ता यजः
मा ना रु विष्णु ति ॥ याव व न्यु
दिया क व थ रु तथा या मा
न ॥ नित्य मा याव न्य व दि

मावनायुक्तयतिष्ठतु
धातल। केसासागिबिजाय
निसूत्रमतिशयिनदीसाग
वा॥ स्वर्णसकलगीधजाः
मिदूयसवतांतावेचिनंति
ष्ठु॥ यावद्ययनिमालिग
यावत्यनममानव॥ तावद्य
गसहृष्टाणि कर्त्तानिवयुज
वगत॥ वद॥ ॐ ह्रीं नारुद
वाधुमैश्वर्यं ववाकृष्टं
यथुर्वसुखदं ह्यमनश्च
नीषवाहनस्वाहा॥ मूलम
कुण्डलिनीवत् ३॥ आदुतिवि
धत्वाय सहस्रं आनयि॥ ॐ
मनाहूतिप्रतिष्ठा॥ ॥ न
माधुर्वायायककुलस॥ गी
खसमयददरायुवस्वान
रायुमल्लुवनयाधनः
मवनल्लुग॥ वाय॥ ॐ
धयादि॥ ॐ नमोऽयं वद

वगावन्मन्त्राणि यथा
॥ गृहानार्थमयादहं ह्य
गङ्गासहिनीवयं॥ ॐ नमः॥
ॐ वन्मन्त्रमन्त्रायाना
लमधिनिष्ठति। नागवाज
नमस्तुभ्यं वन्मन्त्रमकवा
सुनं॥ नमस्तुनक्ताना
सावागुकीर्त्तयमादक।
नक्तकायनस्तथा ककुटि
कनमानम॥ ॐ जिगय
द्यनागसा महायद्यनमा
महं। नमस्तुनीययालय
कुलिकायनमासुत॥ मणि
कुण्डलायदुर्दृष्टं नमः
गन्धर्वयि॥ ॐ नमः॥
दगावलिवियक॥ आदुति
॥ ॐ नमस्तुना॥ वाय॥ ॐ
नादिगयुजाकायमालनि
न॥ ॥ नमोऽयं वद
॥ ॐ नमस्तुनीयस्वाहा॥

[illegible]

यसासदायुजं च निष्ठुवाः
 विधानांश्च यद्वल्गुवाक्
 लभ्यते ॥ आदौ लभमाहवि
 या ली रुमिजययजयय
 हफिरुगायथा सर्वं मम
 दहं मिदं जलं ॥ यानीयं य
 नलाकं वृ याव नय नमीम
 ह न ॥ यानीयस्य प्रदानं न ह
 फि र्हे व नि सा ग्धु गां ॥ यज मा
 मस्य य लभ सी पुष्क व नी ज
 लं लभ वाक्क लो त्या हृदं व
 वृणयं व नं उ ह्य म हं सं य
 दयं ॥ ए न क ल मू ल मं स
 र्वं ह्या व म लभ य दा तु म ह
 मू लु जं तु ॥ ॥ पू न ४ कृ ण
 ज ला न्या दा य न र्य ध न ॥
 पु ष्पा वि ष्णु य द्य रु वे नी
 क म ला य नि ४ हृ द्या ग्रा ला
 क या ला ग्धु तु वृ षा म लु द
 व ता ४ सि ङ्ग वि ष्णु ग या नि
 न्या ४ स र्वो मि व न ल भ क थ ॥

नमस्तु सर्वे देवाय जलदा
न न सर्वदा ॥ धिग वसकेः
लभयाय मारु यकाय सक
म ॥ जलदा न नरु याकुः
ज्ञान या नाव गम हने ॥ सु
वस्तु नरु ॥ ५ सुष्टु मये
गजल मुक्ति न ॥ नमस्तु स
वस्तु नानि ज्ञान या नावः
गम हने ॥ सामान्य सर्व
रु नरु मया दल मि द
जल नमस्तु सर्वस्तु नानि
ज्ञान या नाव गम हने ॥
च न कुल मुरु म सर्वे शा
नमनाय दातु मरु मरु
जल ॥ धनाय वृद्ध वगर्थ
ज ॥ धिरु मारु माता मरु
नि साद कंद ल्वा ॥ ५ यस्तु
न ॥ ॥ यजमान यु निदा ॥
ॐ दीर्घाय स्वाय ॥ ॐ मना
रु निप्र निदा ॥ ॥ नमो वा

नमो वा ॥ सूर्यार्च ॥ हस्ता
र्च यादार्च चन्दनादि ॥ गम
निका कृति पूष्टिका कृति ॥
ॐ श्रीगमनि ॥ ॐ ययव क
॥ ॥ नमो जव भन्या दि ॥
वाक्क ॥ अन्न म क ल्य ॥ दि
गम र्वन ॥ वलियुजा ॥ ॐ य
नियुग यावान ॥ वृत्तिका
हाम ॥ ॐ ययव वायव ॥ ग
॥ ॐ ५ ॥ अरु यरु ॥ ॥ स्व
ल्ला ॥ ५ य या ग ॥ ॥ न
माव ॥ ५ य वा कृति ॥ ॐ रु
५ स्वाहा ॥ ॐ रु व ५ स्वाहा ॥ ॐ
स्व ५ स्वाहा ॥ ॐ द स्वा ग ॥
ॐ रु रु व ५ स्व ५ स्वाहा ॥ ॐ
रु नो अ ॥ ॐ स्वा दि ॐ या
दि ना अ ग्र य स्वा रु नि ॥ ॐ
वेष्ट न वा य विष्ट रु अन्न
का दि ना य धाम हि ॥ न न्ना
व क्रि ५ व वा य या ग ॥ ॐ द

वृत्तगणनमा ॥ ॐ सुमिनः
नृणां हि ॥ नमो वायु विरु
हामः ॥ ॥ गता यव वाक्
नकलम् दि दक्षिण ॥ ७
६ कणदि वक्रालका न वा
यथग ॥ वावन ॥ वलि ह
नली ॥ दि गत लि दूखायेखा
वलियष्ठानं ॥ ॥ संप्रवः
यागनं ॥ ॐ कामं कामधूध
॥ यविग रिषक ॥ ॐ सु मि
जियान ॥ ॥ गता यव वाक्
नयन ॥ वाक् ॥ यजमानस्य
यक्त्रेणां वा यजमाना क
यजलधनं वा यमिषादि
नयक संपूर्ण निमिया ॥ ७
नयक संपूर्ण निमिषा ॥ ७
ॐ यवागम यव ॥ ॐ
आयायस्यसम स्यादिना
य ॥ ॐ मं लं कवा ॥ ७

ॐ सुमिनः ॥ नमो वायु विरु
हामः ॥ ॥ गता यव वाक्
नकलम् दि दक्षिण ॥ ७
६ कणदि वक्रालका न वा
यथग ॥ वावन ॥ वलि ह
नली ॥ दि गत लि दूखायेखा
वलियष्ठानं ॥ ॥ संप्रवः
यागनं ॥ ॐ कामं कामधूध
॥ यविग रिषक ॥ ॐ सु मि
जियान ॥ ॥ गता यव वाक्
नयन ॥ वाक् ॥ यजमानस्य
यक्त्रेणां वा यजमाना क
यजलधनं वा यमिषादि
नयक संपूर्ण निमिया ॥ ७
नयक संपूर्ण निमिषा ॥ ७
ॐ यवागम यव ॥ ॐ
आयायस्यसम स्यादिना
य ॥ ॐ मं लं कवा ॥ ७

वरुणं । यथा नागमश्नाति मूनिगणसकने ॥ सिद्धि विद्या धनेषु वरुणं दिव्या
 लोकां दण्डनयनं नो म्यहं काश्चि नारु ॥ गणस्य ॥ दयानां मानसां लोकां न
 नमस्तु विष्णुना नाहि घातं रुक्मिणीयुक्तं गणपतुरुज न न कर्तुं सर्वस्य कि
 मर्थं । विष्णुर्गुरुस्मि वक्तुं वनदणधुर्गवा कमासाववर्तुं लोकां या नियुक्तं
 सुजवललसिर्गनी मिहला कुम्भकं ॥ युना ॥ दवायं काश्चि नारु दिशुक्तं व
 वनं वृक्तं वामहर्तुं ध्रुवादीनां सुगा लं सुनृय न य न मं गी य मिहं क मू
 र्ति । ना नाथी एतानां मूय सम न ग भसु र्य अविष्ट मी सि निर्य मी म्या गि जा
 ना व न क क न धुना मो लि ना ज न मा यु ॥ गम य लि ग ॥ अ क यु धी ए धी ०
 अल धन क स र्गं लि ग मा का ग नृयं न क गु ष्ण मा ली ए ह ग र्गं नृय मं नं न
 यदा र्क व द्धि । क दो स क स मूदा सुज व न लि ख नं स य या मा ल वा धं सि द्धा नं

[illegible]

नाय ॥ ॥ उं उं तिष्ठतु कृणुयाम ॥ बुद्धा विमर्शनं ॥ उं विष्णुनाट ॥ सुणीन
विमर्शनं ॥ उं कृता विमर्शनं ॥ सुणीना विमर्शनं ॥ उं ज्ञाना विमर्शनं ॥ सुमहिषय
नं ॥ उं सर्वहिने गता ॥ वेदाभावनं ॥ उं गन्यामः ॥ रुद्रयुगाय ॥ उं गाय
त्री ॥ रुद्रयुगाय ॥ उं यक्षयक्षिणी ॥ उं गच्छगच्छसुत ॥ उं कर्मसि
॥ बुद्धा काष्ठद्वनं ॥ उं कृताय कर्मणा स्वाहा ॥ उं ज्ञानाय कश्च ॥ सीहानकुर्म
न्या ॥ अग्नि विमर्शनं ॥ उं उद्ययमसु ॥ अथ कल ॥ विमर्शनं ॥ वलि
य ॥ अथ ययसु ॥ यमकलस ॥ यी ० स ॥ नागययक ॥ यकणी ॥ य ॥ यक्षया
उरुयसु खड्गि कथाय ॥ यज्ञमाना विमर्शनं ॥ नृमकनादि ॥ वसु वनना सु
॥ अग्नाद्यदि ॥ निवर्गकिङ्काय यज्ञमान ॥ यी सुम्भी ॥ यज्ञमाना यामा ॥ ॥ ॥

सीमालकविय ॥ सरुं आनधियुक्ति ॥ पूर्ववत् ॥ कीमाला विमर्शनं ॥ उं
सर्वमंगल ॥ सावित्राय ॥ यज्ञमाना निवर्गकिङ्काय ॥ सुलकाय ॥ सदि ॥
सन्मनकायावेवासुतय ॥ ॥ कलंगविथ विधि ॥ अग्नि ॥ अग्नि ॥ वन
तीर्थसुतय ॥ गणभन ॥ उं नाय ॥ सुनू ॥ दमु विरु ॥ उं ह ॥ अग्नी ॥ माय ॥
॥ उं नाउरु ॥ वनू ॥ ययलियाय ॥ अथ सुतय ॥ ॥ अग्नि ॥ नाउरु ॥ गगकी
मालीयाग ॥ सुतय ॥ ॥ अग्नि ॥ ययलियाय ॥ अग्नि ॥ नाउरु ॥ गगकी
॥ उं उरु ॥ कृदयाय ॥ यज्ञमान ॥ अथ ययलियाय ॥ अग्नि ॥ नाउरु ॥ गगकी
वाकणी ॥ आदियार्ग ॥ ययलियाय ॥ अग्नि ॥ नाउरु ॥ गगकी ॥ अग्नी
॥ आदिययज्ञमानयार्ग ॥ ययलियाय ॥ अग्नि ॥ नाउरु ॥ गगकी ॥ अग्नी ॥